दिन 4

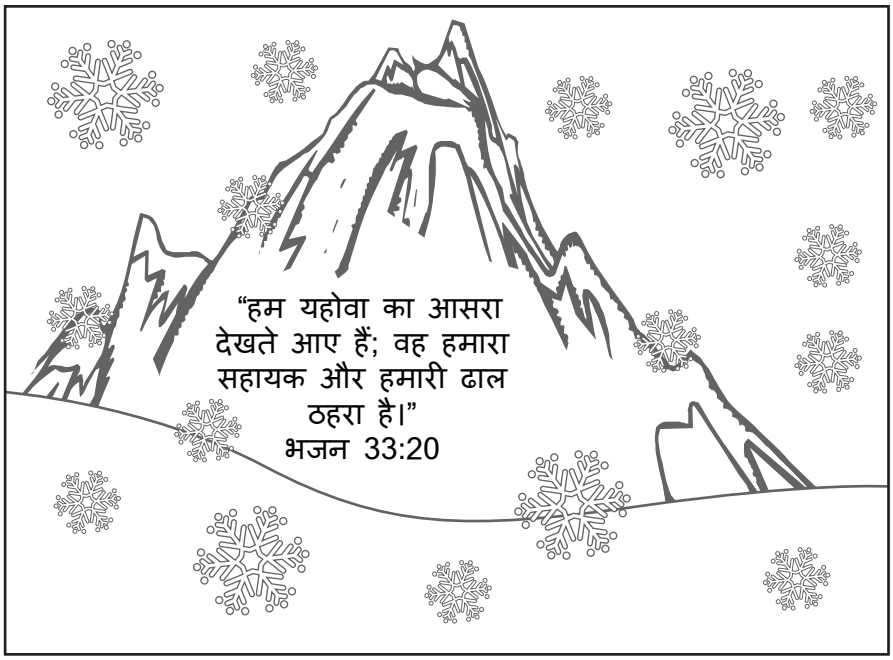
“हम यहोवा का आसरा
देखते आए हैं; वह हमारा
सहायक और हमारी ढाल
ठहरा है।”
भजन 33:20

मंजिल, बिना
किसी सीमा के